

प्रेषक,

अमरेन्द्र सिन्हा,
सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

अपर निदेशक,
पशुपालन विभाग,
उत्तराखण्ड, गोपेश्वर, चमोली।

पशुपालन अनुभाग-1

देहरादून : दिनांक 30 दिसम्बर, 2008

विषय :- उत्तराखण्ड राज्य में आर०पी० व पी०पी०आर० रोग का उन्मूलन तथा सर्विलेन्स कार्यक्रम (100 प्रतिशत केन्द्र पोषित) के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपरोक्त विषयक आपके पत्र संख्या-2072/नि०/आर०पी०-बजट/2008-09 दिनांक 18 अक्टूबर, 2008 के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि श्री राज्यपाल महोदय चालू वित्तीय वर्ष 2008-09 में उत्तराखण्ड राज्य में आर०पी० व पी०पी०आर० रोग का उन्मूलन तथा सर्विलेन्स कार्यक्रम (100 प्रतिशत केन्द्र पोषित) के अन्तर्गत कुल धनराशि रुपये 5.00 लाख (रुपया पांच लाख मात्र) की धनराशि निम्न विवरणानुसार आपके निर्वतन पर प्रादिष्ट किये जाने की निम्नानुसार स्वीकृति प्रदान की जाती है :-

क्र० सं०	कोड एवं मद	अवमुक्त की जाने वाली धनराशि (लाख रुपये में)
1.	04-यात्रा व्यय	1.50 लाख
2.	08-कार्यालय व्यय	1.50 लाख
3.	15-गाड़ियों का अनुरक्षण एवं पेट्रोल आदि की खरीद	2.00 लाख
4.	42-अन्य व्यय	0.00 लाख
कुल योग-		5.00 लाख

(रुपया पांच लाख मात्र)

उक्त धनराशि का व्यय निम्न शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन किया जायेगा।

- (1) उक्त स्वीकृत धनराशि का व्यय वित्त हस्तपुस्तिका में उल्लिखित नियमों, कय सम्बन्धी शासनादेशों एवं शासन द्वारा समय समय पर जारी मितव्ययता सम्बन्धी निर्देशों का पालन करते हुए किया जायेगा तथा धनराशि को व्यय किये जाने से पूर्व कार्य योजना की एक प्रति शासन को उपलब्ध करायी जायेगी।
- (2) धन राशि को व्यय किये जाने से पूर्व जहां कहीं आवश्यक हो सक्षम अधिकारी की स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाय तथा धनराशि का उपयोग प्रमाण पत्र निर्धारित प्रारूप में शासन एवं भारत सरकार को यथा समय उपलब्ध कराया जायेगा।

- (3) बजट मैनुअल में निर्धारित प्रक्रिया के अधीन कोषागार द्वारा प्रमाणित बाउचर संख्या एवं दिनांक के आधार पर अंकित बजट की सीमा में प्रतिमाह 5 तारीख तक प्रपत्र बी०एम०-13 पर विभागाध्यक्ष द्वारा सूचना वित्त विभाग को अनिवार्य रूप से उपलब्ध करायी जाय।
- (4) इस सम्बन्ध में स्पष्ट किया जाता है कि अतिरिक्त अनुदान की प्रत्याशा में अनाधिकृत रूप से व्यय न किया जाय। धनराशि का व्यय एवं आहरण आवश्यकतानुसार ही किया जाय।

2- उक्त धनराशि का व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2008-09 में अनुदान संख्या-28 के लेखाशीर्षक-2403-पशुपालन आयोजनागत-00-101-पशुचिकित्सा सेवार्य तथा पशु स्वास्थ्य-01-केन्द्रीय आयोजनागत/केन्द्र द्वारा पुरोनिधानित योजनायें-0103-उत्तरांचल राज्य में आर०पी० व पी०पी०आर० रोग का उन्मूलन तथा सर्विलेन्स कार्यक्रम (100 प्रतिशत केन्द्र पोषित) के अन्तर्गत सुसंगत इकाईयों के नामे खाला जायेगा।

3- यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय पत्र संख्या-236(P)/XXVII-4/2008 दिनांक 24 दिसम्बर, 2008 में जारी उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(अमरेन्द्र सिन्हा)
सचिव।

संख्या-907 (1)/XV-1/2005-तददिनांक

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. निजी सचिव, मुख्य सचिव को मुख्य सचिव महोदय के संज्ञानार्थ प्रस्तुत करने हेतु।
2. निजी सचिव, अपर मुख्य सचिव एवं आयुक्त महोदय को अपर मुख्य सचिव महोदय के संज्ञानार्थ प्रस्तुत करने हेतु।
3. महालेखाकार, उत्तराखण्ड, सहारनपुर रोड, देहरादून।
4. उप निदेशक, पशुपालन विभाग, नैनीताल/पौड़ी।
5. समस्त जिलाधिकारी, उत्तराखण्ड।
6. समस्त वरिष्ठ कोषाधिकारी/कोषाधिकारी, उत्तराखण्ड।
7. समस्त मुख्य पशुचिकित्साधिकारी, उत्तराखण्ड।
8. वित्त व्यय नियंत्रण अनुभाग-4।
9. निदेशक, NIC को वेबसाइट पर उपलब्ध कराने हेतु।
10. गार्ड फाइल।

आज्ञा से,
(जी०बी० ओली)
संयुक्त सचिव।